पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः पौष 13, 1944
मंगलवारः 03 जनवरी 2023

रक्षामंत्रीनेअरुणाचलप्रदेशमेंकार्यक्रमकेदौरानसातसीमावर्तीराज्यों/केंद्रशासितप्रदेशोंमें724 करोड़रुपयेकीलागत से तैयार पुलोंऔरसड़कोंसहित28 बीआरओअवसंरचनापरियोजनाएंराष्ट्रकोसमर्पितकी

लद्दाखऔरमिजोरममेंतीनवीएसएटी-आधारितटेलीमेडिसिननोड्सकाभीउद्घाटनकिया

"येपरियोजनाएंरक्षातैयारियोंऔरसामाजिक-आर्थिकप्रगतिकोबढ़ानेकेलिएसीमाक्षेत्रकेविकासकीदिशामेंसरकारकेसंकल्पकाप्रमाणहैं"

भारतयुद्धमेंविश्वासनहींकरताहै, लेकिनमजबूरकरने परहमलड़नेकेलिएतैयारहैं: श्रीराजनाथसिंह

रक्षामंत्रीश्रीराजनाथसिंहने03 जनवरी 2023 कोअरुणाचलप्रदेशमेंअलोंग-यिनकियोंगरोडपरसियोमपुलपरआयोजितएककार्यक्रमकेदौरानसीमासड़कसंगठन (बीआरओ) की724 करोड़रुपयेकी28 अवसंरचना परियोजनाएंराष्ट्रकोसमर्पितकी।परियोजनाओंमेंसियोमपुलसहित 22 पुल; उत्तरीऔरपूर्वोत्तरक्षेत्रोंकेसातसीमावर्तीराज्यों/संघराज्यक्षेत्रोंमेंतीनसड़केंऔरतीनअन्यपरियोजनाएंशामिलहैं।इनपरियोजनाओं में सेलद्दाखमेंआठ; अरुणाचलप्रदेशमेंपांच; जम्मूएवंकश्मीरमेंचार; सिक्किम, पंजाबतथाउत्तराखंडमेंतीन-तीनऔरराजस्थानमेंदो हैं।इसकेअलावा, तीनटेलीमेडिसिननोड्स-लद्दाखमेंदोऔरमिजोरममेंएककाउद्घाटनकियागया।

रक्षामंत्रीनेअपनेसंबोधनमेंइनपरियोजनाओंकोसशस्त्रबलोंकीसंक्रियात्मकतैयारियोंकोबढ़ानेऔरदूर-दराजकेक्षेत्रोंकेसामाजिक-
आर्थिकविकासकोसुनिश्चितकरनेकेलिएसीमावर्तीक्षेत्रोंकेविकासकीदिशामेंसरकारऔरबीआरओकेठोसप्रयासोंका प्रमाणबताया।उन्होंनेजोरदेकरकहाकिसीमावर्तीक्षेत्रोंकोजोड़नाऔरयहांकेनिवासियोंकाविकाससुनिश्चितकरनाप्रधानमंत्रीश्रीनरेन्द्रमोदीकेनेतृत्ववालीसरकारकीसर्वोच्चप्राथमिकताहै।

श्रीराजनाथसिंहनेइसबातपरजोरदियाकिइसकाउद्देश्यनिरंतरविकसितहोरहेवैश्विकपरिदृश्यकेकारणउत्पन्नहोनेवालीभविष्यकीचुनौतियोंसेप्रभावीढंगसेनिपटनेकेलिएमजबूतऔरआत्मनिर्भर'नए भारत' कानिर्माणकरनाहै।उन्होंनेकहा,
'दुनियाआजकईसंघर्षोंकागवाहबनरहीहै।भारतसदैवयुद्धकेखिलाफरहाहै।यहहमारीनीतिहै।हालहीमें, प्रधानमंत्रीश्रीनरेन्द्रमोदीनेउससंकल्पकीओरदुनियाकाध्यानआकर्षितकियाजबउन्होंनेकहाकि'यहयुद्धकायुगनहींहै'।हमयुद्धमेंविश्वासनहींकरतेहैं, लेकिनअगरयहहमपरथोपाजाताहै, तोहमलड़ेंगे।हमयहसुनिश्चितकररहेहैंकिराष्ट्रसभीखतरोंसेसुरक्षितरहे।हमारेसशस्त्रबलतैयारहैंऔरयहदेखकरप्रसन्नता होतीहैकिबीआरओउनकेसाथकंधेसेकंधामिलाकरचलरहाहै।

रक्षामंत्रीनेसीमावर्तीक्षेत्रोंमेंअवसंरचनाकेविकासकेमाध्यमसेदेशकीसुरक्षाकोमजबूतकरनेमेंबीआरओद्वारानिभाईगईमहत्वपूर्णभूमिकापरप्रकाशडाला।उन्होंनेकहा, "हालहीमें, हमारेबलोंनेउत्तरीसेक्टरमेंदुश्मनकाप्रभावीढंगसेसामनाकियाऔरवीरतातथातत्परताकेसाथस्थितिपर काबू पाया।यहक्षेत्रमेंपर्याप्तअवसंरचनात्मकविकासकेकारणसंभवहोसका।यहहमेंदूर-दराजकेक्षेत्रोंकीप्रगतिकेलिएऔरभीप्रेरितकरताहै।"

सीमावर्तीक्षेत्रोंमेंरहनेवालेलोगोंकेलिएअवसंरचनाकेविकासकोमहत्वपूर्ण बदलाव लानेवाला/गेमचेंजरबतातेहुए, श्रीराजनाथसिंहनेदूर-दराजकेक्षेत्रोंमेंसामाजिक-आर्थिकविकाससुनिश्चितकरनेकेलिएबीआरओकीसराहनाकी।उन्होंनेजोरदेकरकहाकिसरकारपूर्वोत्तरक्षेत्रकेविकासपरविशेषध्यानदेरहीहै,
जिससेदेशकीसुरक्षाव्यवस्थामजबूतहुईहै।सशस्त्रबलोंऔरस्थानीयलोगोंकासमर्थनकरनेकेलिएसंगठनकेअथकप्रयासोंकेलिए, श्रीराजनाथसिंहनेएकनयावाक्यांशसृजित किया "बीआरओदेशकाभाईहै"।'यहगंतव्यनहींहै, यहयात्राहै'एकप्रसिद्धवाक्यांशकाहवालादेतेहुएउन्होंनेकहाकिसीमावर्तीक्षेत्रोंमेंसड़कअवसंरचनाकानिर्माणबीआरओकेलिएएकयात्राहैऔरएकमजबूतएवंसमृद्धभारतइसकागंतव्यहोनाचाहिए।

https://twitter.com/rajnathsingh/status/1610154959630372864

अलोंग-यिनकियोंगरोडपरआयोजितकार्यक्रममेंरणनीतिकरूपसेमहत्वपूर्णसियोमपुलकाभौतिक रूप सेउद्घाटनकियागया,

जबकिअन्यपरियोजनाओंकोआभासीरूपसेराष्ट्रकोसमर्पितकियागया।सियोमपुलअरुणाचलप्रदेशमेंसियोमनदीपर एकअत्याधुनिक100 मीटरलंबा, क्लास70 स्टीलआर्चसुपरस्ट्रक्चरसियोमब्रिजहै।

रक्षामंत्रीद्वाराई-उद्घाटनकिएगएतीनटेलीमेडिसिननोड्सकोवीएसएटी (वेरीस्मॉलएपर्चरटर्मिनल) उपग्रहसंचारप्रणालीकेमाध्यमसेसेवाअस्पतालोंसेजोड़ाजाएगा।यहसैटकॉमवीसैटसंचारकाउपयोगकरकेसेवाअ स्पतालोंमेंविशेषज्ञोंकेसाथटेलीमेडिसिनपरामर्शकेमाध्यमसेचिकित्साऔरशल्यचिकित्साआपातस्थितिकेलिएत्व रितचिकित्सामध्यस्थताप्रदानकरेगा।अंतरिक्षप्रौद्योगिकीकेउपयोगकेमाध्यमसेदूरदराजकेसीमावर्तीस्थानोंमेंअप नेकार्मिकोंकोचिकित्सासेवाएंप्रदानकरनेमेंबीआरओकेलिएयहअद्वितीयउपलब्धियोंमेंसेएकहै।रक्षामंत्रीनेआशाव्य क्तकीकियेनोड्सस्थानीयलोगोंकीस्वास्थ्यसंबंधीजरूरतोंकेलिएमददगारसाबितहोंगे।

वर्ष 2022 में पूरी हुई इन 28 परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ, वर्ष में 2,897 करोड़ रुपये की कुल लागत से तैयार बीआरओ की कुल 103 अवसंरचना परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई। पिछले वर्ष अक्टूबर में, रक्षा मंत्री ने लद्दाख के श्योक गांव से 2,173 करोड़ रुपये की 75 परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। वर्ष 2021 में, 2,229 करोड़ रुपये की लागत से बीआरओ की 102 ऐसी परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। श्रीराजनाथसिंहनेपिछलेकुछवर्षोंमेंचुनौतीपूर्णमौसमकेबावजूददुष्कर ठिकानोंपरबीआरओद्वाराविकासकार्योंके प्रतिसमर्पणऔरतेजगतिसेकिएजानेकीसराहनाकी।

इसअवसरपर, रक्षामंत्रीनेनईप्रौद्योगिकियोंपरएकसार-संग्रहभीजारीकिया।इसमेंसड़कों, पुलों, हवाईक्षेत्रोंऔरसुरंगोंकेनिर्माणमेंबीआरओद्वाराअपनाईजारहीनवीनतमतकनीकोंकोशामिलकियागयाहैताकिप्र तिकूलमौसमकेसाथदूरस्थऔरशत्रुतापूर्णइलाकोंकेप्रभावोंसे बचा जासके, जोसिविलइंजीनियरिंगकार्योंकीगुणवत्ताऔरपूराहोनेकीसमयसीमाकोअनावश्यकरूपसेप्रभावितकरताहै।

इसकार्यक्रममेंअरुणाचलप्रदेशकेमुख्यमंत्रीश्रीपेमाखांडू, अरुणाचलपूर्वके सांसद श्रीतापिरगाओ, जीओसी-इन-
सीपूर्वीकमानलेफ्टिनेंटजनरलआरपीकलिताऔरजीओसीस्पीयरकोरलेफ्टिनेंटजनरलआरसीतिवारीशामिलहुए।

https://twitter.com/SpokespersonMoD/status/1610119653665439747

एबीबी/डीएस